सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 223 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 19 सितम्बर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

हजार छूरों की तुलना में चार विरोधी अखबारों से अधिक डरना चाहिए।
–नेपोलियन बोनापार्ट

अश्विन की टीम में वापसी, रोहित... 7 | केंद्रीय असेंबली से लेकर संसद भवन... 3 | भाजपा को जनता की तकलीफ की... 2

हंगामे के बीच नए संसद भवन में महिला आरक्षण बिल पेश

- नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से जाना जाएगा बिल
- लोस, विस में मिलेगा 33 प्रतिशत आरक्षण
- कानून मंत्री ने सदन में रखा प्रस्ताव, कांग्रेस व बसपा का भी समर्थन
- शिवसेना यूबीटी, आप भी पक्ष में, जदयू, राजद विरोध में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के लिए 19 सितंबर एक ऐतिहासिक दिन रहा। मंगलवार को संसद के विशेष सत्र की बैठक नए भवन में शुरू हो गई। सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाषण देकर संसद के इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पूरे सदन से महिला बिल आरक्षण पर समर्थन मांगा। पीएम के भाषण के बाद नेता विपक्ष व कांग्रेस के नेता अधीर रंजन ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने कांग्रेस द्वारा किए गए कार्यों के बारे में संसद को जानकारी दी हालांकि इस बीच भाजपा के सांसदों ने शोर भी मचाया।

भाजपा ने आरोप लगाया कि नेता विपक्ष ने बिल लंबित होने की गलत जानकारी दी है उसे रिकॉर्ड से हटाया जाए। वहीं महिला आरक्षण बिल लोकसभा में कानून मंत्री ने पेश कर दिया है। विधेयक को सदन में पारित कराने के लिए कल 20 सितंबर को सदन में चर्चा होगी। 21 सितंबर को राज्यसभा में यह बिल पेश होगा। बिल को नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से लोकसभा में पेश किया गया। इसके अनुसार लोक सभा व विधान सभाओं में महिला आरक्षण 33 प्रतिशत दिया जाएगा इससे लगभग 181 सीटें निर्धारित हो जाएंगी।

संविधान सदन के नाम से जाना जाए पुराना संसद भवन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दोनों सदनों के नए भवन में स्थानांतरित होने के बाद पुराने संसद भवन का नाम संविधान सदन रखने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि जिस भवन में पिछले 75 वर्षों से संसद सत्र आयोजित होते रहे हैं, उसे केवल पुरानी इमारत कहकर इसकी गरिमा कम नहीं होनी चाहिए। प्रधान मंत्री ने कहा, इमारत को संविधान सदन के रूप में संदर्भित करना उन नेताओं को श्रद्धांजलि होगी जिन्होंने संसद में इतिहास बनाया। उन्होंने कहा, हमें भविष्य की पीढ़ियों को यह उपहार देने का अवसर नहीं छोड़ना चाहिए। पीएम मोदी संसद के सेंट्रल हॉल में नई बिल्डिंग में शिफ्ट होने से पहले आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। यह बदलाव मंगलवार को गणेश चतुर्थी के मौके पर पांच दिवसीय विशेष संसद सत्र के दूसरे दिन हुआ। पुराने संसद को लेकर मोदी ने कहा कि यह भवन और उसमें भी यह सेंट्रल हॉल, एक प्रकार से हमारी भवानाओं से भरा हुआ है। हमें भावुक भी करता है और हमें कर्तव्य के लिए प्रेरित भी करता है। आजादी के पूर्व यह खंड एक तरह से लाइब्रेरी के रूप में इस्तेमाल होता था। आजादी के बाद में संविधान सभा की बैठकें यहां हुई और संविधान सभा की बैठकों के द्वारा गहन चर्चा के बाद हमारे संविधान ने यहां आकार लिया।

सोनिया, माया, केजरीवाल व उद्धव भी पक्ष में, राजद, जदयू व झामुमो ने की कोटे की मांग

कांग्रेस और भाजपा महिला आरक्षण बिल को लेकर एक साथ है। उद्धव ठाकरे की शिव सेना गुट, बसपा सुप्रीमो मायावती और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी इस बिल का समर्थन किया है। हालांकि, लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल, बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा इस बिल में सब-कोटा लाने में अड़ी हुई है।

किसी को भी दुख पहुंचा तो क्षमा याचना : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई संसद में अपने पहले संबोधन में जैन धर्म से संबंधित भाव मिच्छामि दक्कड़म का जिक्र किया। उन्होंने कहा, आज संवत्सरी का भी पर्व है। ये अपने आप में एक अद्भुत परंपरा है। इस दिन को एक प्रकार से क्षमा वाणी का भी पर्व कहते हैं। ये पर्व मन से, कर्म से, वचन से अगर जाने-अनजाने किसी को भी दुख पहुंचाया है तो उसकी क्षमा याचना का अवसर है। मेरी तरफ से भी पूरी विनम्रता के साथ, पूरे हृदय से आप सभी को, सभी संसद सदस्यों को और देशवासियों को मिच्छामी दुक्कड़म। हमें अतीत की हर कड़वाहट को भुलाकर आगे बढ़ना है।

सदन के सभी सांसदों ने फोटो सेशन कराया

लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों ने सुबह सेंट्रल हॉल के पास एक साथ फोटो सेशन कराया। इस दौरान पीएम मोदी, सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत सत्ता और विपक्ष के सभी सांसद मौजूद रहे। पहले राज्यसभा और लोकसभा के सांसदों ने फोटो खिंचवाई। इसके बाद दोनों सदनों के सभी सांसदों का ग्रुप फोटो सेशन भी हुआ। इस बीच गुजरात से बीजेपी सांसद नरहरि अमीन की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद सेंट्रल हॉल में मोदी देश के सभी सांसदों के पास जाकर मिले। यहां राष्ट्रगान हुआ।

कनाडा के आरोप पर भड़का भारत, कांग्रेस का मिला साथ

- दिया करारा जवाब- राजनयिक को 5 दिन में देश छोड़कर जाने का आदेश
- खालिस्तानी निज्जर की हत्या के बाद बढ़ा विवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारतीय एजेंसियों पर बड़े आरोप लगाए हैं कि उनका खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में हाथ है, ये आरोप लगाते हुए कनाडा ने भारतीय भारतीय राजनयिक को निष्कासित कर दिया है, इसके बाद भारत ने कनाडाई उच्चायुक्त कैमरून मैके को नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक स्थित विदेश मंत्रालय मुख्यालय में बुलाया और उन्हें 5 दिन के भीतर देश छोड़कर जाने के लिए कहा है, इससे पहले भारत सरकार ने कनाडाई पीएम के आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया और कहा कि उनकी राजनीतिक हस्तियों का खुले तौर पर ऐसे तत्वों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करना गहरी चिंता का विषय बना हुआ है।

वहीं कांग्रेस ने भी इस मामले में भारत सरकार का साथ दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा, कनाडा के राजनयिक को निष्कासित करने का फैसला हमारे आंतरिक मामलों में कनाडा के राजनयिकों के हस्तक्षेप को लेकर भारत की बढ़ती चिंताओं को दर्शाता है प्रतिबंधित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के प्रमुख और भारत के सर्वाधिक वांछित आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर (45) की पश्चिमी कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के सरे में 18 जून को एक गुरुद्वारे के बाहर दो अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। ट्रूडो ने सोमवार को संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमंस में अपने संबोधन में कहा, कनाडा के नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंट की संलिप्तता के पुख्ता आरोपों की कनाडा की सुरक्षा एजेंसियां पूरी सक्रियता से जांच कर रही हैं।

ट्रूडो का आरोप बेतुका, देश हित सबसे ऊपर : जयराम

नई दिल्ली। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, कांग्रेस का हमेशा से मानना रहा है कि आतंकवाद के खिलाफ हमारे देश की लड़ाई में किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं होना चाहिए। कांग्रेस ने कनाडा में एक अलगाववादी सिख नेता की हत्या पर वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बयान की पृष्ठभूमि में मंगलवार को कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में किसी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए और देशहित को हमेशा सबसे ऊपर रखा जाना चाहिए। विशेष रूप से तब, जब आतंकवाद से भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरा हो। उन्होंने कहा कि हमारे देश के हितों और चिंताओं को हमेशा सर्वोपरि रखा जाना चाहिए। भारत ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इन आरोपों को ''बेतुका'' और ''बेबुनियाद'' बताकर खारिज कर दिया है कि कनाडा में एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या संबंधी घटना में भारत सरकार के एजेंट का हाथ था।

भाजपा को जनता की तकलीफ की फिक्र नहीं : अखिलेश यादव

» प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल, स्वास्थ्य मंत्री चुनाव प्रचार में व्यस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग मरीजों के प्रति उदासीन हो गया है। राज्य में स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई है। भाजपा सरकार में किसी को जनता की तकलीफों से कोई लेना देना नहीं है। अस्पतालों में अराजकता है। इलाज और दवा के बगैर मरीज भटकते रहते हैं। जनता संकट में है, जबकि भाजपा सरकार संवेदनहीन बन गयी है। राजधानी में रोज दर्जनों डेंगू और बुखार के मरीज मिल रहे हैं, तो अन्य जिलों के हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि बरसात और जलभराव से मच्छर जनित बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है। डेंगू और टाइफाइड बुखार के मरीज बढ़ रहे हैं। बच्चों को खांसी-बुखार, उल्टी दस्त आदि हो रहा है। अस्पतालों में इलाज की समुचित व्यवस्था न होने से लोगों की मौतें हो रही है। इलाज के लिए पर्याप्त डॉक्टर और दवाएं नहीं हैं। डेंगू से बचाव पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों तथा स्थानीय अधिकारियों का ध्यान नहीं है। नगर निगम और नगर पंचायतों की ओर से साफ-सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। भाजपा सरकार की गलत नीतियों और भ्रष्टाचार के कारण अधिकारियों और कर्मचारियों की अकर्मण्यता साफ दिखाई दे रही है। ज्ञात हो कि राजधानी लखनऊ में सोमवार को 18 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई। पिछले दस दिनों की बात करें तो 20-25 मरीज रोजाना पॉजिटिव मिल रहे थे। विभिन्न इलाकों में 1306 घरों में मच्छरों की मौजूदगी का पता लगाने के लिए सर्वे किया गया। इनमें से 15 घरों में मच्छरों के पनपने के लिए माकूल परिस्थितियां पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया। स्वास्थ्य विभाग का रिकॉर्ड बताता है कि इस साल अब तक डेंगू के 435 मामले सामने आ चुके हैं। पिछले साल सितंबर तक डेंगू मरीजों का आंकड़ा 500 पार कर चुका था। स्वास्थ्य विभाग के अफसरों का दावा है कि इस सीजन में मिल रहे ज्यादातर मरीजों को भर्ती होने की जरूरत नहीं पड़ रही है। सिविल अस्पताल में 20, तो लोकबंधु में डेंगू के चार मरीज भर्ती हैं। हालांकि, इनमें से कई मरीज दूसरे जिलों के हैं।

सीएम अफसरों को बस धमका रहे हैं

मुख्यमंत्री बयानबाजी करके जगह-जगह अफसरों को बस धमकाने का काम कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री दूसरे प्रदेशों में चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। प्रदेश की जनता त्रस्त है। भाजपा सरकार ने जैसे जनता को अपने हाल पर छोड़ दिया है, जनता भी 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को वैसे ही छोड़ देगी।

सपा विधायक सुधाकर सिंह ने ली शपथ

मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट से जीतकर आए सपा विधायक सुधाकर सिंह को सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने पद की शपथ दिलाई।विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें विधानभवन के अपने कक्ष में शपथ दिलाई। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव के साथ प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल और वरिष्ठ नेता राजेंद्र चौधरी मौजूद रहे। सुधाकर सिंह ने घोसी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान को हराकर जीत दर्ज की थी।

पंजाब के साथ अनदेखी कर रही सरकार : गुरमीत सिंह

» सीएम मान ने छठवीं बार लिखा केंद्र को पत्र ग्रामीण विकास फंड जारी करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने केंद्र सरकार से ग्रामीण विकास फंड (आरडीएफ) को जारी करने की मांग की है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने छठी बार केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। वहीं पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने इस मसले पर जल्द ही केंद्रीय कृषि मंत्री और केंद्रीय वित्त मंत्री से मुलाकात करने की बात कही है। दो दिन पहले पंजाब सरकार ने आल पार्टी मीटिंग में भी आरडीएफ की बकाया राशि का मुद्दा उठाते हुए पंजाब को विशेष पैकेज देने की मांग की। गौरतलब है कि पंजाब सरकार किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदे जाने वाले गेहूं व धान पर छह फीसदी वैधानिक शुल्क - मंडी फीस (एमडीएफ) 3 फीसदी और ग्रामीण विकास फंड (आरडीएफ) 3 फीसदी वसूलती है।

यह पैसा मंडियों के विकास, ग्रामीण सड़कों के निर्माण व रखरखाव के अलावा किसानों को अलग-अलग तरह के सहायता प्रदान करने में इस्तेमाल की जाती है। वर्ष 2021 खरीद सीजन की 1100 करोड़ रुपये की आरडीएफ राशि प्रत्येक बीते खरीद सीजन के साथ लगातार बढ़कर 4000 करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है।

एक फीसदी की छूट नहीं दे रहा पंजाब : केंद्रीय मंत्री

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय का कहना है कि पंजाब सरकार गरीब व कमजोर वर्गों के बीच वितरण के लिए खरीदे गए खाद्यान्न के मामले में अपने वैधानिक शुल्क के रूप में एक फीसदी की छूट दे लेकिन पंजाब सरकार ने इससे इंकार कर दिया था।

नई संसद में होनी चाहिए थी नमाज के लिए जगह : शफीकुर्रहमान बर्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। समाजवादी पार्टी के लोकसभा सांसद ने मांग की है कि नई संसद में नमाज के लिए भी जगह होनी चाहिए थी। शफीकुर्रहमान बर्क ने मंगलवार को नई संसद के संदर्भ में कहा कि मुसलमान के नमाज के लिये भी जगह होनी चाहिये थी। इन लोगों ने नफरत फैला रखा है, क्या जगह देंगे, मुसलमान से नफरत फैला रखी है। बता दें नए संसद भवन में सरकार के विधायी कामकाज 20 सितंबर से शुरू होंगे।

सांसदों को नए संसद भवन में प्रवेश के लिए नए पहचान पत्र भी जारी किए गए हैं, उधर संसद के कर्मचारियों के एक वर्ग के लिए फूल की आकृति वाले नये 'ड्रेस

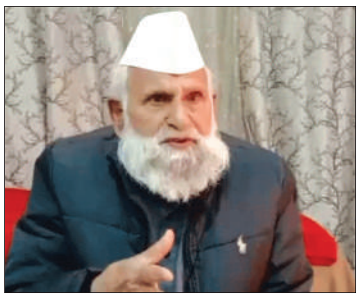

कोड' ने पहले ही एक राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। कांग्रेस ने इसे सत्तारूढ़ पार्टी के चुनाव चिह्न कमल के फूल को प्रचारित करने की एक 'सस्ती' रणनीति करार दिया है।

यूपी में बढ़ सकता है इंडिया का कुनबा: कांग्रेस

» प्रियंका गांधी और मायावती के बीच हुई मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में बसपा के साथ कांग्रेस का गठबंधन होने की प्रबल संभावना बन रही है। सूत्रों ने बताया कि अभी हाल ही में प्रियंका गांधी ने बसपा सुप्रीमो मायवती से मुलाकात की थी। सब कुछ इसी तरह से चलता रहा तो पांच राज्यों के चुनाव के बाद इसकी आधिकारिक घोषणा हो सकती है। इसमें कांग्रेस सूत्रधार की भूमिका में हैं। कवायद के तहत दोनों ओर के प्रथम परिवारों के बीच कई राउंड की बातचीत भी हो चुकी है। लोकसभा चुनाव जीतने के लिए इंडिया गठबंधन कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता।

बसपा को साथ लाने की कोशिशें उसकी इसी रणनीति का हिस्सा है। यूपी के

विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और बसपा के शीर्ष नेतृत्व के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ था। तब यह बातचीत अपने मुकाम तक तो नहीं पहुंच सकी थी, लेकिन तब से दोनों के बीच संवाद बना हुआ है। राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक पिछले महीने कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी और बसपा सुप्रीमो मायावती के बीच मुलाकात भी हो चुकी है। बसपा की ओर से अब नेतृत्व के पारिवारिक हो चुके एक पूर्व सांसद की भी इसमें अहम भूमिका बताई जा रही है। यूपी के विधानसभा चुनाव से पहले बसपा-कांग्रेस की गठबंधन की खिचड़ी पकने के बावजूद विघ्न आ गए थे। तब तय हुआ था कि विधानसभा की 125 सीटों पर कांग्रेस और शेष 278 सीटों पर बसपा लड़ेगी।

ज्यादा रुचि ले रही कांग्रेस

इस सारी कवायद में एक पहलू यह भी है कि क्या इंडिया में बसपा के आने से सपा सहज रहेगी। कांग्रेस नेतृत्व, यूपी में बसपा को साथ लाने में ज्यादा रुचि ले रहा है। इसकी वजह है कि बसपा के पास अभी भी अपना ठोस 10-12 फीसदी वोट बैंक है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का बागेश्वर (उत्तराखंड) विधानसभा सीट को लेकर सपा के खिलाफ दिया गया बयान भी इसी कवायद से जोड़कर देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि अजय राय ने यह बयान हाईकमान से इशारा मिलने के बाद ही दिया।

दुर्भावना से ग्रसित है केंद्र सरकार : आतिशी

» नई मेट्रो लाइन के उद्घाटन में सीएम को नहीं बुलाना दुखद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नई मेट्रो लाइन के उद्घाटन में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नहीं बुलाने पर दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने कहा कि उद्घाटन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अकेले जाना और दिल्ली के मुख्यमंत्री को नहीं बुलाना दुर्भावना ग्रसित सोच को दर्शाता है, उन्हें पार्टी लाइन से ऊपर उठने की आवश्यकता है। आतिशी ने कहा कि मुख्यमंत्री को उद्घाटन में नहीं बुलाना छोटी सोच को दर्शाता है। भाजपा खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी और नरेंद्र मोदी को दुनिया का सबसे बड़ा नेता मानती है।

ऐसे में जो व्यक्ति दुनिया के सबसे बड़े नेताओं में से है, दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी की सरकार चला रहे है, वह सिर्फ दो किलोमीटर की मेट्रो लाइन के उद्घाटन के लिए किसी चुनी हुई सरकार के मुख्यमंत्री को नहीं बुलाते हैं, यह शोभा नहीं देता। नरेंद्र मोदी सिर्फ भाजपा के नहीं, पूरे देश के प्रधानमंत्री हैं और ऐसा करना प्रधानमंत्री पद की गरिमा को शोभा नहीं देता। इस बात का बेहद दुख है। आतिशी ने कहा कि जिस दिन से दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन का गठन हुआ, उस दिन से ही आधा पैसा केंद्र सरकार देती है और आधा पैसा दिल्ली सरकार का लगता है। केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार के समन्वय के साथ ही दिल्ली मेट्रो जैसा शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर बना है।

भ्रष्टाचार दूर करने के लिए उपराज्यपाल ने जारी किया आदेश

दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार, लागत में वृद्धि और सिविल कार्यों के निष्पादन में देरी को दूर करने के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने ऑनलाइन पोर्टल पर जियो टैग करना अनिवार्य कर दिया है। इसे लेकर आईटी विभाग को आदेश दिए गए हैं। अब मूल्यांकन के लिए सभी परियोजनाओं के पहले और बाद की रंगीन तस्वीरें अपलोड करना अनिवार्य होगा। इसके बाद अधिकारी उसका सत्यापन करेंगे, तब जाकर ठेकेदारों को कोई भुगतान किया जाएगा।

हताश है दिल्ली सरकार : मल्होत्रा

प्रदेश भाजपा के महामंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली सरकार के मंत्री अपनी राजनीतिक हताशा निकाल रहे हैं। दिल्लीवासी यह देखकर आश्चर्यचकित हैं कि जिन लोगों ने कभी वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत का पालन नहीं किया, वह यह कह रहे हैं कि मेट्रो स्टेशन के उद्घाटन में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आमंत्रित नहीं किया गया। उन्हें बताना चाहिए कि दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित किसी भी परियोजना के उद्घाटन के लिए दिल्ली विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष व सांसदों को क्यों नहीं बुलाया जाता। दिल्ली में अधिकांश विकास परियोजनाएं केंद्र सरकार की बड़ी सहायता से पूरी होती हैं और फिर भी केजरीवाल सरकार कभी भी पुनर्निर्मित स्कूलों या किसी अन्य विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के लिए भाजपा नेताओं को नहीं आमंत्रित करती। 400 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी मुख्यमंत्री ने दिखाई, लेकिन स्थानीय सांसद व विधायकों को आमंत्रित नहीं किया।

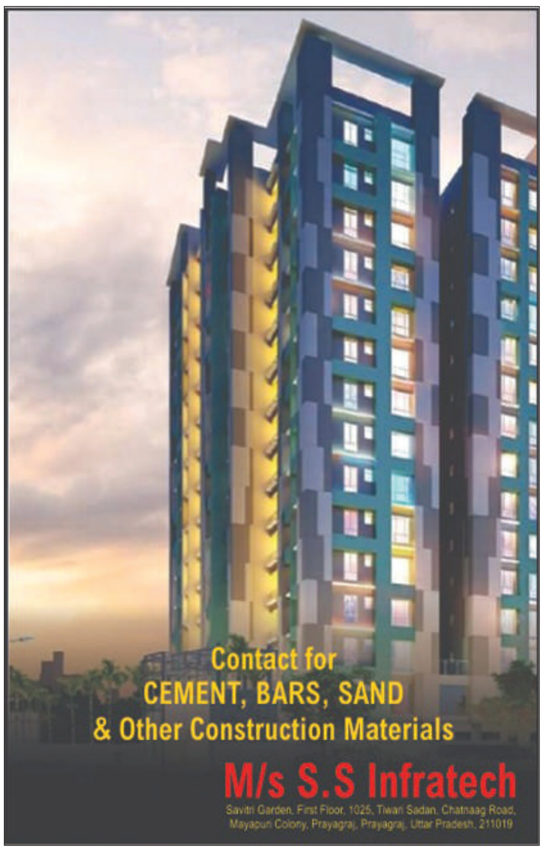

केंद्रीय असेंबली से लेकर संसद भवन तक, ऐसा रहा 96 सालों का सफर

» आजादी के 75 सालों का साक्षी रहा पुराना संसद भवन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 75 सालों की आजादी का समय और 96 सालों के बाद अब भारत का संसद भवन रिटायर हो रहा है। क्योंकि 18 सितंबर से शुरू हुए संसद के विशेष सत्र का पहला दिन इस पुराने संसद भवन में कार्यवाही का अंतिम दिन है। अब 19 सितंबर से संसद की कार्यवाही नई संसद भवन में की जाएगी। पुरानी संसद भवन का एक लंबा और गौरवशाली इतिहास रहा। जिसमें देश की आजादी के बाद देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के स्ट्रोक ऑफ मिडनाइट की गूंज आज भी लोगों के जेहन में ताजा बनी हुई है। यह पुराना संसद भवन कई यादगार और ऐतिहासिक घटनाओं का साक्षी रहा है। ऐसे में इस संसद भवन को छोड़कर जाना लोकसभा के हर सदस्य के लिए काफी भावुक पल है। क्योंकि इस संसद भवन से हर लोकसभा सांसद की यादें जुड़ी हुई हैं।

पीएम मोदी ने पुराने संसद भवन को औपचारिक विदाई देते हुए 18 सितंबर को संसद के विशेष सत्र के पहले दिन प्रथम प्रधानमंत्री पं. नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी, पूर्व पीएम नरसिम्हा राव, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह तक का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि सदन ने देश को आगे बढ़ाने वाले फैसले लिए। पीएम के संबोधन के साथ ही ये तय हो गया कि दुनिया भर में नायाब आर्किटेक्चर का उदाहरण हमारी संसद का ऐतिहासिक भवन एक इतिहास हो जाएगा। ऐसा इतिहास जो न जाने कितने ही ऐसे पलों का गवाह है जिससे भारत का नवनिर्माण हुआ। 18 जनवरी, 1927 को पुरानी संसद बिल्डिंग बनकर तैयार हुई और 18 सितंबर, 2023 को इसकी विदाई है। इन 96 सालों में पुरानी संसद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच भीषण बहसों, जोरदार हंगामों, सांसदों के भाषणों, ऐतिहासिक कानून और विधेयकों के पारित होने की गवाह रही है। इसके साथ देशवासियों का भी एक भावनात्मक जुड़ाव रहा है। हालांकि, अब जगह और सुविधाओं की कमी और टेक्नोलॉजी के बढ़ते दौर के चलते खामियों को देखते हुए सरकार ने नई पार्लियामेंट बिल्डिंग तैयार की है। 64,500 वर्ग मीटर क्षेत्र में तैयार किया गया नया संसद भवन सभी तकनीकी सुविधाओं से लैस है और दोनों सदनों की कैपिसिटी भी बढ़ा दी गई है।

83 लाख में तैयार हुई थी पुरानी संसद

दिल्ली के लुटियन जोन में यह इमारत 96 साल पहले 1927 में बनकर तैयार हुई थी। इसका निर्माण अंग्रेजों ने देश चलाने के लिए एक प्रशासनिक भवन के तौर पर कराया था। बाद में ये केंद्रीय असेंबली बनी। वही केंद्रीय असेंबली जिसमें हुए धमाके से अंग्रेजी हुकूमत की जड़ें हिलीं। देश की आजादी के बाद यही असेंबली संसद बनी और भारत की नई इबारत लिखी। पहले देश की राजधानी कोलकाता हुआ करती थी। ब्रिटिश महाराज जॉर्ज पंचम ने 1911 में दिल्ली को राजधानी बनाया। यहां ऐसी कोई इमारत नहीं थी, जिससे देश का प्रशासनिक कामकाज हो सके। तय हुआ कि प्रशासनिक भवन बनाया जाएगा। आर्किटेक्ट एडविन लुटियंस ओर हर्बर्ट बेकर ने दिल्ली को डिजाइन किया। पुरानी संसद का शिलान्याओस 12 फरवरी 1921 में हुआ था। इसका निर्माण कार्य करीब 6 वर्षों तक चला। इस तरह पुराना संसद भवन 1927 में बनकर तैयार हुआ था। उस समय देश में वायसराय को सर्वोच्च माना जाता था, इसलिए उन्हीं से ही संसद भवन का उद्घाटन भी कराया गया। 1926 से 1931 तक लॉर्ड इरविन भारत के वायसराय थे। उस वक्त उस भवन को बनाने में तकरीबन 83 लाख रुपये खर्च किए गए थे। संसद भवन 556 मीटर व्यानस में बना हुआ था। लेकिन जब ज्योदा जगह की जरूरत पड़ी तो 1956 में फिर से इसका निर्माण कार्य फिर से शुरू हुआ और इसमें दो मंजिला और जोड़ी गई। उस समय इसे संसद भवन नहीं बल्कि हाउस ऑफ पार्लियामेंट कहा जाता था। आजादी के बाद से यहां हमारे सांसद बैठने लगे और इसे संसद भवन कहा जाने लगा।

इसी भवन में भगत सिंह ने फोड़ा था बम

1927 में प्रशासनिक भवन बनकर तैयार हुआ चुका था। वो दौर अंग्रेजों की सरकार का था। उस समय लोकसभा को लेजिस्टलेटिव काउंसिल कहा जाता था जिसका गठन 1919 में हुआ था। राज्यसभा को राज्य परिषद कहते थे। भवन का निर्माण पूरा होने तक इनकी बैठकें वायसराय हाउस में हुआ करती थीं। प्रशासनिक भवन बनने के बाद केंद्रीय असेंबली की तीसरी बैठक नए भवन में रखी गई और इसे नाम दिया गया केंद्रीय असेंबली। 2 साल बाद ही 8 अप्रैल 1929 को बटुकेश्वर दत्त और भगत सिंह ने इसी असेंबली के सेंट्रल हॉल में बम फेंका था। इस बम धमाके से अंग्रेज सरकार हिल गई थी। यह बम धमाका पब्लिक सेफ्टी बिल के विरोध में किया गया था, जिसके पास होने के बाद मजदूर हड़ताल के अधिकार से वंचित हो जाते।

ऐसे बनी देश की सर्वोच्च संस्था

1947 में देश को आजादी मिल गई। इसके बाद इस भवन को संसद पुकारा जाने लगा। डॉ. राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में संविधान सभा की पहली बैठक इसी संसद भवन के सेंट्रल हॉल में हुई थी। पं. जवाहर लाल नेहरू ने इसी में आजाद भारत का पहला भाषण दिया था। 1948 में 14 नवंबर को संविधान सभा की प्रारूप समिति के सभापति डॉ. बीआर अम्बेडकर ने संविधान का प्रारूप इसी भवन में प्रस्तुत किया था। यहां आज भी संविधान कक्ष है, जिसमें संविधान की रूपरेखा तैयार हुई थी। 1950 में गणतंत्र लागू होने के बाद 1952 में यहां संसद की पहली बैठक हुई थी।

शिव मंदिर की कॉपी माना जाता है पुराना संसद

संसद भवन का डिजाइन भले ही विदेशी वास्तुकार ने बनाया था, लेकिन इसका निर्माण भारतीय सामग्री से भारतीय श्रमिकों द्वारा किया गया था। इसलिए इसकी वास्तुणकला पर भारतीय परंपराओं की गहरी छाप है। माना जाता है कि मौजूदा संसद भवन मुरैना के चौंसठ योगिनी मंदिर के डिजाइन की कॉपी है। कमरों से लेकर भवन की डिजाइन हुबहू मंदिर से मिलती है। 64 योगिनी मंदिर का निर्माण 1323 ईसवी में कच्छप राजा जयपाल ने कराया था। इसका एक नाम इकंतेश्वर या इकत्तरसो महादेव मन्दिर भी है।

कई ऐतिहासिक घटनाओं का रहा साक्षी

पुरानी संसद कई बड़ी और यादगार घटनाओं की भी साक्षी रही। इसके संसद भवन बननेल से पहले भगत सिंह द्वारा बम फोड़ने से लेकर, देश की आजादी के बाद संसद भवन में पंडित जवाहर लाल नेहरू के पहले भाषण, संविधान के रूपरेखा की चर्चा, बांग्लादेश बंटवारा, राम मंदिर मसला, जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 का हटना, वन नेशन वन टैक्स, जीएसटी, वन रैंक वन पेंशन, गरीबों के लिए 10त्न आरक्षण, नोटबंदी जैसी तमाम तरह की घटनाओं को देखा।

कभी-कभी पुराने संसद में हुईं शर्मसार करने वाली घटनाएं

इस संसद में पिछले 75 सालों में कुछ ऐसी घटनाएं भी हुई हैं, जिन्होंने लोकतंत्र को शर्मसार कर दिया। इसी संसद में कभी बिल फाड़े गए तो कभी नोटों की गड्डियां उड़ाई गईं। कभी सभापति पर कागज के टुकड़े फेंके गए तो कभी मिर्ची का स्प्रे किया। सबसे साल 1966 में साधुओं ने संसद में घुसने की कोशिश की थी। देश में गोहत्या पर रोक लगाने के लिए कानून बनाने की मांग जोर पकड़ रही थी। तभी हरियाणा और आसपास के जिलों के हजारों साधु-संत अपनी गायों को लेकर दिल्ली चले आए। उन्होंने मंत्रालयों के बाहर तोड़फोड़ शुरू कर दी। संसद में भी घुसने की कोशिश की। इस घटना को संसद पर पहला हमला माना जाता है। वहीं 1997 में लोकसभा में रेल बजट पेश किया जा रहा था। ये बजट वित्त मंत्री रामविलास पासवान पेश कर रहे थे। जिस समय पासवान बजट पेश कर रहे थे, उसी समय ममता बनर्जी ने अपना शॉल उनके ऊपर फेंक दिया। बनर्जी ने पश्चिम बंगाल को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया था। इतना ही नहीं, साल 2005 में जब ममता बनर्जी ने लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव पेश किया, तो स्पीकर ने इसे खारिज कर दिया। इसके बाद उन्होंने स्पीकर चरणजीत सिंह अटवाल पर अपना इस्तीफा फेंक दिया था। वहीं 13 दिसंबर 2001 का दिन संसद के इतिहास का सबसे काला और बुरा दिन कहा जाता है। क्योंकि इस दिन संसद पर आतंकी हमला हुआ था। उस दिन सफेद एम्बेसडर कार में सवार पांच आतंकी गेट नंबर-12 से अंदर घुस आए थे। आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। उनके पास AK-47 और हैंड ग्रेनेड थे। सिक्योरिटी गार्ड निहत्थे थे। ये हमला जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों ने किया था। आतंकियों ने संसद भवन के अंदर घुसने की कोशिश की, लेकिन सभी पांचों को बाहर ही मार दिया गया।सुबह साढ़े 11 बजे से शुरू हुई ये मुठभेड़ शाम 4 बजे खत्म हुई। इसके बाद साल 2008 में संसद में नोट उछाले गए थे। अमेरिका के साथ परमाणु समझौते को लेकर वाम दलों ने यूपीए सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। उस समय मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे। यूपीए ने विश्वास प्रस्ताव पेश किया। उसी दिन बीजेपी के तीन सांसद- अशोक अर्गल, फग्गन सिंह कुलस्ते और महावीर भगौरा लोकसभा में एक करोड़ रुपये के नोटों की गड्डियां लेकर पहुंच गए। वहां उन्होंने नोट उछाल दिए। तीनों ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के तत्कालीन महासचिव अमर सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष के राजनीतिक सचिव अहमद पटेल ने उन्हें विश्वास प्रस्ताव के समर्थन में वोट देने के लिए रुपये की पेशकश की थी। हालांकि, दोनों ने इन आरोपों को नकार दिया था। वहीं साल 2011 के शीतकालीन सत्र में लोकपाल बिल पास होने की उम्मीद थी। तत्कालीन केंद्रीय मंत्री वी. नारायणसामी ने लोकपाल बिल पेश किया। इस पर जोरदार बहस हो रही थी। तभी आरजेडी सांसद राजनीति प्रसादल ने नारायणसामी के हाथ से बिल छीनकर उसकी प्रतियां फाड़ दीं। राज्यसभा की कार्यवाही उस दिन आधी रात तक चली। सारा दिन हंगामे और बहस में ही गुजर गया। लेकिन बिल पर वोटिंग नहीं हो पाई। वोटिंग नहीं कराने पर विपक्ष ने सरकार को जमकर घेरा। लेकिन राज्यसभा के तत्कालीन सभापति हामिद अंसारी ने कहा, अप्रत्याशित स्थिति पैदा हो गई है। ऐसी स्थिति में सदन नहीं चल सकता है। फिर साल 2012 में संसद में धक्का-मुक्की भी देखने को मिली। उस दिन राज्यसभा में एक बिल पेश किया गया। ये बिल सरकारी नौकरियों में प्रमोशन में एससी-एसटी के लिए आरक्षण से जुड़ा था। जैसे ही उपसभापति पीजे कुरियन ने बिल आगे बढ़ाने के लिए कहा, सदन में हंगामा खड़ा हो गया। यूपीए की सहयोगी समाजवादी पार्टी ने इस बिल का विरोध किया। जब बिल पेश हुआ तो पार्टी के सांसद नरेश अग्रवाल उपसभापति की बेल की ओर जाने लगे। तभी बीएसपी सांसद अवतार सिंह ने उन्हें रोकने के लिए उनका कॉलर पकड़ लिया। उस दौरान माहौल गर्मा गया और नरेश अग्रवाल और अवतार सिंह के बीच धक्का-मुक्की हो गई। इससे सपा और बसपा सांसद भी हाथापाई पर उतर आए। इतना ही नहीं साल 2014 में संसद में किसी ने चाकू निकाला तो किसी ने मिर्च स्प्रे छिड़का था। उस समय लोकसभा में तत्कालीन गृहमंत्री सुशील शिंदे ने जैसे ही तेलंगाना को अलग राज्य बनाने का बिल पेश किया, वैसे ही जोरदार हंगामा शुरू हो गया। तेलंगाना को अलग राज्य बनाने का विरोध करने वाले सांसदों ने बवाल कर दिया था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

राजभाषा हिन्दी से और मजबूत होगा भारत

“ सरकार के लोगों को यह भी ध्यान रखना होगा सिर्फ हिंदी दिवस के दिन को सरकारी आयोजन मान कर एक दिन औपचारिकता पूरी कर लने से हिन्दी का उत्थान नहीं होगा। सरकारों को जन-जन के बीच में इसकों ऐसे पहुंचाना होगा कि लोगों को इसके बिना काम न बने और उन्हें ऐसा एहसास हो कि हिन्दी एक भाषा ही नहीं उनके जीवन का हिस्सा है उसके बिना उनका कोई भी काम नहीं चल पाएगा।

अभी गत 14 सितंबर को पूरे में हिन्दी दिवस मनाया गया। वैसे तो भारत के संविधान में हिन्दी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। पर अब भी बहुत से सरकारी कामकाज में इसका प्रयोग अंग्रेजी की अपेक्षा कम होता है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट से लेकर सरकार के हर विभाग लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में भी हिन्दी को बढ़ावा दिया जा रहा है। पर वह काफी नहीं है अभी और प्रयास करने की आवश्यकता है। सरकार के लोगों को यह भी ध्यान रखना होगा सिर्फ हिंदी दिवस के दिन को सरकारी आयोजन मान कर एक दिन औपचारिकता पूरी कर लने से हिन्दी का उत्थान नहीं होगा। सरकारों को जन-जन के बीच में इसकों ऐसे पहुंचाना होगा कि लोगों को इसके बिना काम न बने और उन्हें ऐसा एहसास हो कि हिन्दी एक भाषा ही नहीं उनके जीवन का हिस्सा है उसके बिना उनका कोई भी काम नहीं चल पाएगा। अब ऐसी उम्मीद की जा सकती है हिन्दी और ज्यादा लोगों के बीच में अपनी पैठ बना पाएगी।

ज्ञात हो कि राजभाषा विभाग की ओर से अनेक ऐसे कार्यालय ज्ञापन भी जारी किए गए हैं, जिनमें स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि मूल सामग्री हिंदी में तैयार की जानी चाहिए और यदि आवश्यकता हो तो उसका अंग्रेजी अनुवाद कराया जाए। इसमें भी अनेक समस्याएं हैं। किसी भी लोकतांत्रिक देश में जनता और सरकार के मध्य जन-जन की भाषा ही संपर्क भाषा के रूप में सार्थक भूमिका अदा कर सकती है। हिंदी, भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम होने के साथ-साथ भारत की भावात्मक एकता को मजबूत करने का सशक्त जरिया है। अपनी उदारता, व्यापकता एवं ग्रहणशीलता के कारण ही हिंदी भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की पूरक है। भारत सरकार का राजभाषा विभाग इस दिशा में प्रयासरत है कि केंद्र सरकार के अधीन कार्यालयों में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में हो। इसी क्रम में 14-15 सितंबर को पुणे में राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी दिवस समारोह एवं तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इससे पूर्व वाराणसी एवं सूरत में बड़े ही भव्य स्तर पर दो राजभाषा सम्मेलनों का आयोजन हो चुका है। संविधान के भाग 17 में अनुच्छेद 343 से 351 तथा अनुच्छेद 120 व 210 में राजभाषा हिंदी से संबंधित संवैधानिक प्रावधान किए गए हैं। भारत सरकार की राजभाषा नीति प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं सद्भावना पर आधारित है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विषम परिस्थितियों में जीवटता सीखें कुदरत से

सीताराम गुप्ता

कुछ दिन पहले की बात है। पार्क में घूमते हुए कुछ पेड़ों पर नजर पड़ी। फिशटेल पाम के चार वृक्ष थे। उन चारों वृक्षों के तनों के ऊपरी हिस्सों में पीपल के पेड़ उगे हुए थे। वे कई-कई फुट के हो चुके थे। वे ऐसे बढ़ रहे थे जैसे सामान्य रूप से जमीन पर अथवा मिट्टी में बढ़ते हैं। फिशटेल पाम के वृक्षों को भी उनके उगने अथवा बढ़ने पर कोई आपत्ति नहीं दिखलाई पड़ रही थी। प्रकृति में जितनी विभिन्नताएं देखने को मिलती हैं उतनी ही विषमताएं भी देखी जा सकती हैं। कहीं वर्षों से कोई पेड़ किसी सूखे से टीले पर डटा हुआ दिखलाई पड़ता है तो कहीं कोई पेड़ वर्षों किसी नदी अथवा तालाब के किनारे पानी के अंदर ही डूबा हुआ दिखलाई देता रहता है। घरों की छतों पर पानी की टंकियों के आसपास पीपल, बरगद अथवा पिलखन के पेड़ उगना और विषम परिस्थितियों में लगातार बढ़ते रहना आम बात है।

पहाड़ों की ऐसी-ऐसी ढलानों पर कई विशाल वृक्ष दिखलाई पड़ जाते हैं जहां एक नन्हे से कंकड़ का ठहर पाना भी मुश्किल हो। कई पेड़ किसी दुर्घटना के कारण ऐसी अवस्था में आ जाते हैं कि वे सीधे नहीं हो सकते। उनके मोटे-मोटे तने जमीन के समानांतर हो जाते हैं लेकिन वे हार नहीं मानते और इसी अवस्था में बढ़ना शुरू कर देते हैं। उनके तनों से नई शाखाएं निकलकर ऊपर की ओर बढ़ने लगती हैं। एक हरा-भरा पहाड़ भूस्खलन के कारण तहस-नहस होकर सैकड़ों फुट नीचे आ गिरता है लेकिन कुछ ही सालों में वो पुनः हरा-भरा होकर जीवित प्रतीत होने लगता है। कितना संघर्ष करना पड़ता होगा इन सबको संतुलन बनाए रखने और हर हाल में जीवित बने रहने के लिए। एक बहुत पुरानी घटना याद आ रही है। गांव में हमारे घर के सामने गली के दूसरी ओर जो चौपाल थी उसमें छत से बरसात का पानी निकलने के लिए बनी हुई मोरी में छत से कोई दो-ढाई फुट नीचे दीवार पर ही पीपल का एक पौधा उग आया। बरसात के दिनों में कोई बीज बहकर मोरी के रास्ते आया और उस जगह पर अटक गया।

परिस्थितियों ने उसे वहीं अंकुरित होने के लिए विवश कर दिया। उस अंकुर में दो पत्तियां भी निकल आईं जो धीरे-धीरे कुछ बड़ी हो गईं, लेकिन पौधे को जड़ें फैलाने के लिए पर्याप्त अपेक्षित स्थान नहीं मिल पाया। उसका दस-बारह इंची तना कालांतर में अपेक्षाकृत कुछ मोटा होता रहा लेकिन पत्तियों की संख्या पांच-छह से ज्यादा कभी नहीं हो पाई। कई बार सोचता हूं कि क्या उसे पौधा कहना उचित होगा? न तो पौधे को जड़ें फैलाने के लिए ही पर्याप्त स्थान मिलने की संभावना थी और न ही अन्य किसी तरीके से पर्याप्त पोषण मिलने की, फिर भी कई सालों तक वह वहीं डटा रहा। महीन सूत बराबर मात्र दो-चार जड़ों के सहारे वो पीपल का पौधा दीवार से जुड़ा या सटा हुआ था। बरसात के दिनों में उसके पत्ते कुछ हरे और चमकदार दिखलाई पड़ते थे। शेष पूरे साल कमजोर और पीले-पीले ही नजर आते थे। हर बार पतझड़ के दौरान वो भी अपनी पहले से ही बेजान हो चुकी इन पत्तियों को गिरा देता और उसके बाद उस पर भी कुछ दिनों के लिए चमकीली कोंपलें लहराने लगतीं लेकिन पत्तियों की संख्या कभी बढ़ नहीं पाई। लगता था इस बार जरूर ये पौधा किसी दिन या तो तेज आंधी में उखड़कर धराशायी हो जाएगा या फिर तेज धूप व लू के थपेड़ों से झुलसकर वहीं उलटा लटक जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उस पौधे के जीवट को देखकर हैरानी होती थी। कई बार उसकी दशा को देखकर दुख भी होता था तो उसके विषम परिस्थितियों में डटे रहने के दमखम को देखकर ईर्ष्या भी होती थी। हम जब तक वहां रहे वो पौधा भी दृढ़ता से जड़ें जमाए दिखलाई पड़ता रहा। संभव है वो आज तक वहीं पर डटा हुआ अपनी नन्ही-नन्ही विजय-पताकाएं फहरा रहा हो। कई बार उस पौधे की याद आती है विशेष रूप से जब विषम परिस्थितियों से आमना-सामना होता है या दूसरे लोगों की विषम परिस्थितियां देखने-सुनने में आती हैं।

यदि हम पौधों से अपनी तुलना करें तो स्पष्ट होता है कि हमारे सामने जीवित रहने और विकास करने के अनेक विकल्प उपलब्ध होते हैं जबकि पौधों के पास ऐसा कोई विकल्प नहीं होता। फिर भी हम उनकी विषम परिस्थितियों से प्रेरणा न लें तो इसमें दोष किसका होगा? हम पेड़-पौधों और प्रकृति की विषमताओं से बहुत कुछ सीख सकते हैं।

पौधे एक बार जहां उग गए उन्हें हमेशा के लिए वहीं के होकर रह जाना पड़ता है। विषम परिस्थितियों में हम अन्यत्र जा सकते हैं। हम किसी से मदद मांग सकते हैं। हम हर हाल में अपनी परिस्थितियों को बेहतर बनाने का प्रयास कर सकते हैं। हम अपनी रिहाइश अथवा कारोबार बदल सकते हैं। यदि कहीं रहने में असुविधा हो रही हो तो उस स्थान अथवा घर को भी बदल सकते हैं। लेकिन पौधों के लिए ये कठिन ही नहीं, असंभव है।

उत्तर कोरिया की निरंकुशता बढ़ाएंगे पुतिन!

पुष्परंजन

पुतिन और किम जोंग उन की ताजा मुलाकात वाली खबर से 80 साल के जो बाइडेन की भृकुटियां तन गई हैं। पुतिन उत्तर कोरिया जाएंगे, और अब यह देश रूसी सैन्य सहकार के मामले में परोक्ष नहीं, प्रत्यक्ष दिखेगा। किम कोई चार साल से व्हाइट हाउस की नजरों से उपेक्षित चल रहे थे। उत्तर और दक्षिण कोरिया के मुहाने पर अवस्थित पनमुनजोम के फ्रीडम हाउस में ट्रंप और किम तीसरी बार 30 जून, 2019 को मिले थे। उससे पहले जून, 2018 में सिंगापुर, और फरवरी, 2019 में हनोई में ट्रंप और किम की मुलाकातें हुई थीं। उन तीन मुलाकातों में परमाणु मामलों से लेकर सीमा विवाद के हल के तमाम वादे हुए थे। किम को अमेरिका आने के वास्ते ट्रंप ने आमंत्रित किया था। कुर्सी गई, तो बात आई-गई हो गई। अब व्हाइट हाउस के रणनीतिकार अपनी चूक पर अफसोस प्रकट कर रहे हैं।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने पत्रकारों को वोस्तोचनी कॉस्मोड्रोम पर बुधवार को हुई इस हाई प्रोफाइल मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए बताया कि पुतिन ने एक सर्वोत्कृष्ट रूसी राइफल किम को थमाया, बदले में किम ने भी पुतिन को उत्तर कोरियाई राइफल उपहार स्वरूप भेंट में दी। राइफलों के आदान-प्रदान के हवाले से पूरी दुनिया को संदेश देना काफी है कि रूस और उत्तर कोरिया आने वाले समय में क्या करेंगे। रूस को ऐसे थर्ड कंट्री की जरूरत है, जहां से वह हथियार मंगाये, और यूक्रेन में उसका इस्तेमाल करे। उत्तर कोरिया के पास हथियारों का जखीरा पड़ा है। व्हाइट हाउस ने ललकारा, 'ऐसा हुआ, तो अंजाम भुगतने को तैयार रहें।' तत्काल तो यही लगता है कि उत्तर कोरिया को एक बार फिर प्रतिबंध भुगतने पड़ सकते हैं। दूसरा, पुतिन की तरह किम जोंग उन भी मोस्ट वांटेड युद्ध अपराधी घोषित कर दिये जाएं।

लेकिन उत्तर कोरिया को यह सब करके क्या मिलना है? रक्षा मामलों के जानकार और ग्लोबल टाइम्स के एडिटर इन चीफ रह चुके हू शीचिन बताते हैं कि यह सारा किस्सा रॉकेट टेक्नोलॉजी के स्थानांतरण पर टिका हुआ है। उत्तर कोरिया को बैलेस्टिक मिसाइल प्राविधिक को समुन्नत करने के लिए सेटेलाइट टेक्नोलॉजी चाहिए, जो इस समय केवल रूस दे सकता है। दरअसल, विगत चार महीनों में उत्तर कोरिया ने सेना के वास्ते जो दो 'एरियल रिकॉनिसन्स राकेट टेस्ट' किये, वो फुस्स हो गये थे। इस विफल परीक्षण के आधार पर पेंटागन ने निष्कर्ष निकाल लिया था कि उत्तर कोरिया बैलेस्टिक मिसाइल तकनीक में अब भी 'मैच्योर' नहीं हो पाया है। लेकिन, इन चार महीनों में फ्योंगयांग और मास्को के बीच कूटनीतिक गठजोड़ की जो कोशिशें चल रही थीं, उससे अमेरिकी खुफिया तंत्र अनजान था। पुतिन ने ऐसा ट्रंप कार्ड खेला है, जो व्हाइट हाउस के लिए अप्रत्याशित था। मुलाकात की जगह भी बड़ा सिंबॉलिक है। रूसी सेटेलाइट लांचिंग सेंटर वोस्तोचनी कॉस्मोड्रोम पर उत्तर कोरिया के शासन प्रमुख से मिलने का मतलब यह है कि जो कुछ तकनीक किम को चाहिए, पुतिन उपलब्ध करायेंगे। इससे घबराहट दक्षिण कोरिया से लेकर हिंद-प्रशांत के उन तमाम देशों में भी है, जिन्हें हम अमेरिकी क्लब का सदस्य मानते हैं।

एक प्रसिद्ध कहावत है कि 'नंग बड़ा या परमेश्वर?' अब अमेरिका चाहे इस पृथ्वी का परमेश्वर होने की गलतफहमी पाल ले, मगर किसी के मुंह लगने से कतता रहा है, तो वह देश है उत्तर कोरिया। बिल्कुल नंग-धड़ंग। उपग्रह प्रक्षेपित करने वाली 'सेटेलाइट लांच टेक्नोलॉजी' में जो देश आगे रहे हैं, उनके लिए बैलेस्टिक मिसाइल का निर्माण बाधा रहित माना जाता है। आइसीबीएम (इंटरकांटिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल) के निर्माण में जिस लांग रेंज प्रोजेक्शन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाता है, उत्तर कोरियाई अंतरिक्ष विज्ञानी वही रूस से हासिल करना चाहते हैं। 10 हजार 300 किलोमीटर पर जो दूरी उत्तर कोरिया और अमेरिका की रही है, वह लंबे समय से चली नूराकुश्ती के लिए अब तक आसान थी। मगर, जिस दिन उत्तर कोरिया ने 11 हजार किलोमीटर तक भेदने वाली रूसी 'तोपोल-एम मिसाइल' तकनीक हासिल कर ली, अमेरिका की नींद उड़ा देने के लिए काड़ी होगी। पुतिन का यही प्रयास है कि व्हाइट हाउस की नींद हर लो। तोपोल-एम मिसाइल तकनीक यदि फ्योंगयांग ने हासिल कर ली, तो समझिए कि अमेरिकी क्लब के तमाम देश उत्तर कोरिया की जद में होंगे। यह एक खतरनाक स्थिति को दावत देने जैसा है, जिसके जिम्मेदार कोई और नहीं, स्वयं पुतिन होंगे।

पुतिन से किम जोंग उन की मुलाकात तय थी, लेकिन उसकी टाइमिंग जानबूझकर जी-20 की शिखर बैठक के बाद रखी गई। वाशिंगटन में रूसी राजदूत अनातोली अंतोनोव ने अमेरिकी घुड़की पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रतिबंध लगाते रहो, रूसी फोबिया जितनी बढ़ानी है बढ़ाओ, हमें फर्क नहीं पड़ेगा। एंबेसडर अनातोली ने कटाक्ष करते हुए कहा, 'दरअसल, अमेरिका प्रतिबंध नामक अपने इस पुराने ट्रिक से खुद ही हांफने लगा है।' ठीक से देखा जाए, तो यूक्रेन युद्ध, रोमन-पर्शियन वार की तरह 681 साल नहीं खिंचने वाला, यह आने वाले कुछ वर्षों में ही निर्णायक रूप ले लेगा। नवंबर, 2024 में अमेरिका में आम चुनाव हैं। जो बाइडन भी समझते हैं कि उन्होंने यूक्रेन जैसे मोर्चे को खोलकर जोखिम को दावत दे रखी है। पुतिन का किम जोंग उन की धरती पर बतौर राजकीय मेहमान जाना भी युगांतरकारी होगा। यूक्रेन युद्ध में विनाश के कारण अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने जब से उन्हें वार क्रिमिनल घोषित किया है।

शुभ मुहूर्त *गणेश चतुर्थी 19 सितंबर, दिन मंगलवार को पड़ रही है। 19 सितंबर को विनायक चतुर्थी यानी गणेश पूजा का समय सुबह 04:57 बजे शुरू होगा और 19 सितंबर को रात 01:54 बजे तक रहेगा।*

सिद्धि-सदन, गज बदन, विनायक...

भगवान गणेश को सभी संकटों को हरने वाला और सभी बाधाओं को दूर करने वाला देवता माना गया है। भाद्रमास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को हर साल गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। गणेश चतुर्थी का पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र गणेशजी को समर्पित होता है। इस दिन घर-घर में गणेशजी बैठाए जाते हैं। घरों के अलावा जगह-जगह पर पंडाल सजाए जाते हैं। इसके बाद 11 वें दिन बप्पा को पूरे गाजे-बाजे के साथ विदा कर दिया जाता है। यानी मूर्ति विसर्जन कर दिया जाता है। गणेश भगवान को विदाई देने के साथ ही भक्त अगले साल उनके जल्दी आने की कामना करते हैं।

पूजन विधि

गणेश चतुर्थी तिथि पर शुभ मुहूर्त को ध्यान में रखकर सबसे पहले अपने घर के उत्तर भाग, पूर्व भाग, अथवा पूर्वोत्तर भाग में गणेश जी की प्रतिमा रखें। फिर पूजन सामग्री लेकर शुद्ध आसन पर बैठें। सर्वप्रथम गणेश जी को चौकी पर विराजमान करें और नवग्रह, षोडश मातृका आदि बनाएं। चौकी के पूर्व भाग में कलश रखें और दक्षिण पूर्व में दीया जलाएं। अपने ऊपर जल छिड़कते हुए? पुण्डरीकाक्षाय नमः कहते हुए भगवान गणेश को प्रणाम करें और तीन बार आचमन करें तथा माथे पर तिलक लगाएं। हाथ में गंध अक्षत और पुष्प लें और दिए गए मंत्र को पढ़कर गणेश जी का ध्यान करें। इसी मंत्र से उन्हें आवाहन और आसन भी प्रदान करें। पूजा के आरंभ से लेकर अंत तक अपने जिह्वा पर हमेशा? श्रीगणेशाय नमः। गं गणपतये नमः। मंत्र का जाप अनवरत करते रहें। आसन के बाद गणेश जी को स्नान कराएं। पंचामृत हो तो और भी अच्छा रहेगा और नहीं हो तो शुद्ध जल से स्नान कराएं। उसके बाद वस्त्र, जनेऊ, चंदन, अक्षत, धूप, दीप, नैवेद्य, फल आदि जो भी संभव यथाशक्ति उपलब्ध हो उसे चढ़ाएं। आखिर में गणेश जी की आरती करें और मनोकामना पूर्ति के लिए आशीर्वाद मांगे।

क्यों मनाते हैं?

कहा जाता है कि भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी के दिन ही कैलाश पर्वत से माता पार्वती के साथ गणेश जी का आगमन हुआ था। इसलिए इस दिन को गणेश चतुर्थी के रूप में मनाया जाता है। भगवान गणेश बुद्धि के दाता है। बता दें कि कई जगहों पर इस त्योहार को विनायक चतुर्थी और विनायक चविटी के नाम से भी जाना जाता है।

मंत्र

ॐ गं गणपतये सर्व कार्य सिद्धि कुरु कुरु स्वाहा

गणेश जी का जन्म

गणेश चतुर्थी की कथा के अनुसार,एक बार माता पार्वती ने स्नान के लिए जाने से पूर्व अपने शरीर के मैल से एक सुंदर बालक को उत्पन्न किया और उसे गणेश नाम दिया। पार्वतीजी ने उस बालक को आदेश दिया कि वह किसी को भी अंदर न आने दे,ऐसा कहकर पार्वती जी अंदर नहाने चली गई। जब भगवान शिव वहां आए ,तो बालक ने उन्हें अंदर आने से रोका और बोले अन्दर मेरी मां नहा रही है,आप अन्दर नहीं जा सकते। शिवजी ने गणेशजी को बहुत समझाया,कि पार्वती मेरी पत्नी है। पर गणेशजी नहीं माने तब शिवजी को बहुत गुस्सा आया और उन्होंने गणेशजी की गर्दन अपने त्रिशूल से काट दी और अन्दर चले गये। जब पार्वतीजी ने शिवजी को अन्दर देखा तो बोली कि आप अन्दर कैसे आ गए। मैं तो बाहर गणेश को बिठाकर आई थी। तब शिवजी ने कहा कि मैंने उसको मार दिया। तब पार्वती जी रौद्र रूप धारण कर लिया और कहा कि जब आप मेरे पुत्र को वापस जीवित करेंगे तब ही मैं यहां से चलूंगी अन्यथा नहीं। शिवजी ने पार्वती जी को मनाने की बहुत कोशिश की पर पार्वती जी नहीं मानी। सारे देवता एकत्रित हो गए सभी ने पार्वतीजी को मनाया पर वे नहीं मानी। तब शिवजी ने विष्णु भगवान से कहा कि किसी ऐसे बच्चे का सिर लेकर आये जिसकी मां अपने बच्चे की तरफ पीठ करके सो रही हो। विष्णुजी ने तुरंत गरूड़ जी को आदेश दिया कि ऐसे बच्चे की खोज करके तुरंत उसकी गर्दन लाई जाए। गरूड़ जी के बहुत खोजने पर एक हथिनी ही ऐसी मिली जो कि अपने बच्चे की तरफ पीठ करके सो रही थी। गरूड़ जी ने तुरंत उस बच्चे का सिर लिया और शिवजी के पास आ गये। शिवजी ने वह सिर गणेश जी के लगाया और गणेश जी को जीव दान दिया,साथ ही यह वरदान भी दिया कि आज से कही भी कोई भी पूजा होगी उसमें गणेशजी की पूजा सर्वप्रथम होगी । इसलिए हम कोई भी कार्य करते है तो उसमें हमें सबसे पहले गणेशजी की पूजा करनी चाहिए,अन्यथा पूजा सफल नहीं होती।

हंसना मना है

बॉयफ्रेंड- मैं तुमसे शादी नहीं कर सकता मेरे घर के लोग तुम्हें स्वीकार करने को तैयार नहीं है। गर्लफ्रेंड- तुम्हारे घर में कौन -कौन है? बॉयफ्रेंड- एक बीवी और तीन बच्चे।

कमलेश (मित्र से श्याम से)- यार मेरी पत्नी तो एकदम पागल है। हमेशा साड़ियों की ही फरमाइश करती रहती है। परसों एक साड़ी लाने को कह रही थी। आज सुबह फिर एक साड़ी मांग रही थी। श्याम-अजीब बात हैं। वह इतनी साड़ियों का क्या करती हैं? कमलेश- पता नहीं, मैंने कभी साड़ी लाकर तो दी नहीं।

एक लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड को फोन किया तो उसके 10 साल के भतीजे ने उठाया। लड़की-अपने अंकल को फोन दो, लड़का-वो तो बाथरूम में हैं, आपका नाम ? लड़की (इठलाकर)-उनसे कहो कि उनकी जानेमन का फोन है, इसके बाद बच्चे ने जो कहा उसे सुनकर लड़की के होश उड़ गए ज्बच्चे ने भोलेपन से कहा-लेकिन आंटी, मोबाइल में तो चुड़ैल लिखा हुआ है!

कहानी — फूटा घड़ा

एक गांव में एक किसान रहता था। वह रोज भोर में उठकर दूर झरनों से स्वच्छ पानी लेने जाया करता था। इस काम के लिए वह अपने साथ दो बड़े घड़े ले जाता था, जिन्हें वो डंडे में बांधकर अपने कंधे पर दोनों ओर लटका लेता था उनमे से एक घड़ा कहीं से फूटा हुआ था और दूसरा एक दम सही था इस वजह से रोज़ घर पहुंचते -पहुचते किसान के पास डेढ़ घड़ा पानी ही बच पाता था। ऐसा दो सालों से चल रहा था। सही घड़े को इस बात का घमंड था कि वो पूरा का पूरा पानी घर पहुंचता है और उसके अन्दर कोई कमी नहीं है, वहीं दूसरी तरफ फूटा घड़ा इस बात से शर्मिंदा रहता था कि वो आधा पानी ही घर तक पंहुचा पाता है और किसान की मेहनत बेकार चली जाती है। फूटा घड़ा ये सब सोच कर बहुत परेशान रहने लगा और एक दिन उससे रहा नहीं गया, उसने किसान से कहा, मैं खुद पर शर्मिंदा हूं और आपसे क्षमा मांगना चाहता हूं क्यों? किसान ने पूछा तुम किस बात से शर्मिंदा हो? शायद आप नहीं जानते पर मैं एक जगह से फूटा हुआ हूं और पिछले दो सालों से मुझे जितना पानी घर पहुंचाना चाहिए था बस उसका आधा ही पहुंचा पाया हूं ,मेरे अन्दर ये बहुत बड़ी कमी है और इस वजह से आपकी मेहनत बर्वाद होती रही है, फूटेघड़े ने दुखी होते हुए कह। किसान को घड़े की बात सुनकर थोडा दुःख हुआ और वह बोला, कोई बात नहीं, मैं चाहता हूं कि आज लौटते वक्त तुम रास्ते में पड़ने वाले सुन्दर फूलों को देखो। घड़े ने वैसा ही किया, वह रास्ते भर सुन्दर फूलों को देखता आया, ऐसा करने से उसकी उदासी कुछ दूर हुई पर घर पहुंचते- पहुंचते फिर उसके अन्दर से आधा पानी गिर चुका था, वो मायूस हो गया और किसान से क्षमा मांगने लगा। किसान बोला, शायद तुमने ध्यान नहीं दिया पूरे रास्ते में जितने भी फूल थे वो बस तुम्हारी तरफ ही थे,सही घड़े की तरफ एक भी फूल नहीं था। ऐसा इसलिए क्योंकि मैं हमेशा से तुम्हारे अन्दर की कमी को जानता था और मैंने उसका लाभ उठाया। मैंने तुम्हारे तरफ वाले रास्ते पर रंग-बिरंगे फूलों के बीज बो दिए थे, तुम रोज़ थोडा-थोडा कर के उन्हें सींचते रहे और पूरे रास्ते को इतना खूबसूरत बना दिया। आज तुम्हारी वजह से ही मैं इन फूलों को भगवान को अर्पित कर पाता हूँ और अपना घर सुन्दर बना पाता हूँ। तुम्ही सोचो अगर तुम जैसे हो वैसे नहीं होते तो भला क्या मैं ये सब कुछ कर पाता दोस्तों हम सभी के अन्दर कोई ना कोई कमी होती है, पर यही कमियां हमें अनोखा बनाती हैं। उस किसान की तरह हमें भी हर किसी को वो जैसा है वैसे ही स्वीकारना चाहिए और उसकी अच्छाई की तरफ ध्यान देना चाहिए और जब हम ऐसा करेंगे तब फूटा घड़ा भी अच्छे घड़े से मूल्यवान हो जायेगा।

7 अंतर खोजें

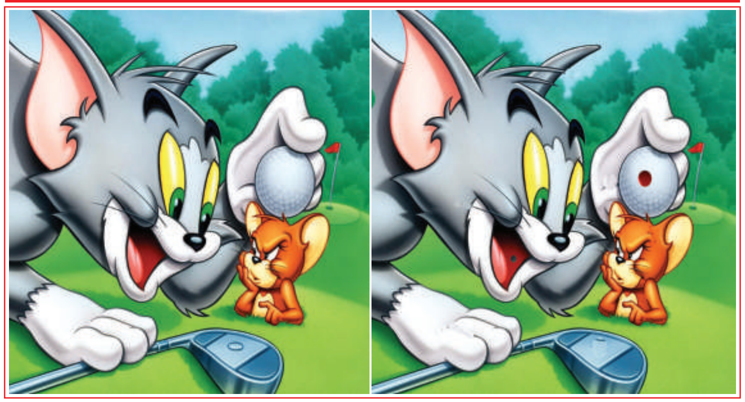

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

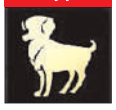

भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

वृषभ

वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी। धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

मिथुन

दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क

आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह

आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा।

कन्या

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

तुला

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक

व्यवस्था में मुश्किल होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। अनहोनी की आशंका रहेगी। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी।

धनु

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मकर

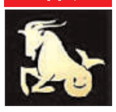

आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। सोच-समझकर निर्णय लें। पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी।

कुम्भ

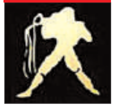

आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन

नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

सरोज खान का किरदार निभाएंगी माधुरी दीक्षित!

कोरियोग्राफर की बायोपिक बनायेंगे निर्माता भूषण कुमार

माधुरी दीक्षित सिल्वर स्क्रीन पर बहुत जल्द दिवंगत कोरियोग्राफर सरोज खान का किरदार निभाती नजर आ सकती है। फिल्म निर्माता भूषण कुमार,सरोज खान की बायोपिक बनाने जा रहे हैं। इस बायोपिक की कहानी पर निर्देशक हंसल मेहता काम कर रहे हैं। वहीं कोरियोग्राफर सरोज खान की बेटी ने भी बायोपिक में माधुरी दीक्षित की कास्टिंग को लेकर बात की है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी तक सरोज खान की बायोपिक के लिए किसी भी एक्ट्रेस का नाम फाइनल नहीं हुआ है। हालांकि, मेकर्स माधुरी दीक्षित को कास्ट करने का मन बना रहे हैं। मेकर्स सरोज जी के जिंदगी के अलग-अलग पड़ाव को दिखाने के लिए, अलग-अलग उम्र के एक्टर्स की तलाश में हैं।

सरोज खान पर बनने वाली यह बायोपिक अभी अपने राइटिंग फेज में है। सोर्सेज के मुताबिक इस बायोपिक में कवर करने के लिए बहुत कुछ है, सरोज खान की जिंदगी कई उतार-चढ़ाव से भरी रही है। ऐसे में बायोपिक के जरिए उन्हें पर्दे पर दिखाने की कोशिश की जाएगी। ऐसे में मेकर्स अभी तय कर रहे हैं कि कहानी के कौन से एंगल को दिखाया जाए। बायोपिक के बारे में मीडिया से बातचीत करते हुए सरोज खान की बेटी सुकैना से सवाल किया गया, तो उन्होंने बताया कि अभी तक कोई नाम फाइनल नहीं हुआ है।

अभी तक कुछ भी तय नहीं किया गया है। उन्होंने कहा-टीम ने मुझे बताया है कि जैसे ही वह एक्टर्स को शॉर्टलिस्ट करेंगे, वो हमारे परिवार को इसके बारे में जरूर बताएंगे। सही एक्ट्रेस को कास्ट करना एक मुश्किल काम है। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने अभी तक कुछ भी फाइनल किया है। बता दें कि, माधुरी दीक्षित और सरोज खान का खास गुरु-शिष्य का बॉन्ड रहा था।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी शारीरिक काया को लेकर मेरी खूब आलोचना हुई : विद्या बालन

फिल्मों में लीक से हटकर किरदार अदा कर अपने अभिनय का दम दिखाने वाली विद्या बालन एक वक्त पर अपनी मां से काफी नाराज रहीं। एक्ट्रेस की नाराजगी इस बात की थी कि मां उन्हें वजन कम करने और आहार का ख्याल रखने का सुझाव दिया करती थीं। हाल ही में एक बातचीत के दौरान विद्या बालन ने कहा कि लोगों को अभी तक यही लगता है कि वह एक्सरसाइज नहीं करती हैं, लेकिन हकीकत ये है कि वह लगातार एक्सरसाइज करती हैं, क्योंकि यह उन्हें पसंद है। एक यूट्यूब चैनल से बातचीत में विद्या बालन ने कहा, मेरी शारीरिक काया को लेकर मेरी खूब आलोचना हुई। यह मेरे लिए बिल्कुल आसान नहीं था। मैंने अपने शरीर से नफरत करते हुए एक उम्र गुजारी है। अब जाकर मैं अपने शरीर को स्वीकार कर पाई हूं। अब मुझे यह कहने की जरूरत नहीं कि यह मेरे बुरे दिन नहीं हैं। मैं बार्बी नहीं बनना चाहती। विद्या ने बताया कि अब वह इतनी बदल चुकी हैं कि अगर उनसे कोई कहता है कि आपने वजन कम कर लिया है तो वह उसका शुक्रिया अदा नहीं करती हैं, क्योंकि वह अपने शरीर से जुड़ी कोई चर्चा करना नहीं चाहतीं। विद्या ने कहा, किन्हीं वजहों से मेरी शारीरिक काया हीरोइनों जैसी नहीं है और इसकी वजह क्या है, मैं इसका पता नहीं लगा सकती।

विद्या बालन ने खुलासा किया कि वह बचपन में काफी गोल-मटोल थीं। ऐसे में उनकी मां लगातार उन्हें वजन कम करने की सलाह देतीं और वजन घटाने में मददगार चीजें उनके लिए करती रहतीं। विद्या ने बताया, मेरी मां भी मेरी तरह ही रहीं। ऐसे में खुद मुझे इस बात का डर सताया करता था कि मुझे मेरी मां की तरह आंका जाएगा। पेरेंट्स हमेशा अपने बच्चों के लिए चिंतित रहते हैं और मैं आज भी यही देख रही हूं। एक्ट्रेस ने खुलासा किया, मुझे अपनी मां पर बहुत गुस्सा आता था। मैं सोचती थी कि मां मुझसे एक्सरसाइज क्यों करवाती हैं? वह मुझे इतनी जल्दी डाइटिंग क्यों करा रही हैं? शायद ऐसा इसलिए था, क्योंकि वह मेरे लिए चिंतित थी।

कानूनी शिकंजे में फंसीं जरीन खान

जरीन खान का नाम आए दिन किसी न किसी वजह से खबरों में बना रहता है। वह जब भी किसी इवेंट के लिए पहुंचती हैं तभी लोग उनकी खूबसूरती की तारीफ करने लगते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो उन्हें उनके वजन के चलते खूब ट्रोल भी करते हैं। हालांकि, आज अभिनेत्री एक चौंकाने वाली वजह के चलते सुर्खियों में हैं। दरअसल, जरीन खान के ऊपर कानूनी शिकंजा फंस चुका है, जिसके चलते उनके खिलाफ धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तारी का वारंट भी जारी कर दिया गया है। चलिए जानते हैं क्या है पूरा माजरा और क्यों जरीन के खिलाफ जारी हुआ वारंट.....

कोलकाता की एक अदालत ने कथित तौर पर धोखाधड़ी के एक मामले में रविवार को बॉलीवुड अभिनेत्री जरीन खान के खिलाफ गिरफ्तारी का वारंट जारी किया है। उनके खिलाफ 2016 में मामला दर्ज किया गया था। मामले में जांच अधिकारी ने कोलकाता की सियालदह अदालत के समक्ष अभिनेत्री के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। हालांकि जरीन खान ने न तो जमानत के लिए अपील की और न ही कोर्ट के सामने पेश हुईं। उनकी बार-बार अनुपस्थिति के बाद, अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।

गिरफ्तारी वारंट के बारे में पूछे जाने पर जरीन खान ने जवाब देते हुए कहा कि उन्हें इस मामले पर कोई क्लैरिटी नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि इसमें कोई सच्चाई नहीं है। मैं भी हैरान हूं और अपने वकील से जांच करा रही हूं। तभी मैं आपको कुछ क्लियर कर पाऊंगी। इस बीच, आप मेरे पीआर से बात कर सकते हैं। बता दें, जरीन खान को 2016 में कोलकाता में एक दुर्गा पूजा समारोह के दौरान परफॉर्म करना था। हालांकि, जब आयोजक उनका इंतजार कर रहे थे, तब भी वह नहीं पहुंची थीं।

पुलिस के मुताबिक, आयोजकों में से एक ने बॉलीवुड अभिनेत्री जरीन खान और उनके मैनेजर के खिलाफ धोखाधड़ी की लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई और उन्हें पूछताछ के लिए पेश होने को कहा गया।

वह शातिर किलर जो पुलिस को बताकर करता था हत्या, आज भी है पकड़ से दूर

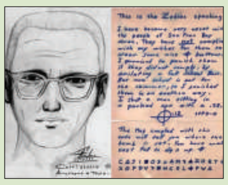

जोडिएक किलर कौन था? आखिरकार इस सवाल पर से 54 साल बाद पर्दा उठ गया है। जासूसों के एक ग्रुप का मानना है कि उन्हें हत्यारा मिल गया है। जोडिएक किलर और उसके द्वारा किए गए मर्डर्स अमेरिकी इतिहास के सबसे कुख्यात अनसुलझे अपराधों में से एक है। जोडिएक किलर ने 60 के दशक में कैलिफोर्निया में कम से कम 5 लोगों की जान ले ली थी। जासूसों की जिस टीम ने जोडिएक किलर के बारे में पता गया है, उनमें मिलिट्री और इन्वेस्टिगेशन बैकगाउंड के लोग शामिल हैं। यह टीम खुद को 'द केस ब्रेकर्स' कहती है। यह टीम सालों से जोडिएक किलर मामले की जांच कर रही है। अब इस टीम का मानना है कि एक हालिया खोज उस साइको किलर की पहचान की पुष्टि करती है। जासूसों के इस ग्रुप के फाउंडर थॉमस कोबर्ट ने घोषणा की है कि जोडिएक किलर से जुड़ा एक 'सिंबल' एक प्रोपर्टी के पास खोजा गया है। इस प्रॉपर्टी का मालिक गैरी फ्रांसिस्ट पोस्ट था, जोकि एक एयरफोर्स सैनिक था। असल में वही जोडिएक किलर था। 'सिंबल', जो कैलिफोर्निया के ग्रोवलैंड में एक बनी एक पुरानी प्रोपर्टी के पास एक लकड़ी के खंभे पर पाया गया था। जेन कहती हैं कि, 'डेल जूलिन ने मुझे बताया कि 2014 में क्रिस एवरी नाम का एक आदमी, उस टीवी स्टेशन पर आया था, जहां वह उससे बात करना चाहता था। क्रिस एवरी ने दावा किया था कि उसके सौतेले पिता गैरी फ्रांसिस पोस्टे जोडिएक थे और जब उसने उससे इस बारे में बात की, तो उन्होंने उसे मारने की कोशिश की, इसलिए वह भाग गया।''केस ब्रेकर्स' ने किया ये दावा 'केस ब्रेकर्स' का दावा है कि गैरी फ्रांसिस पोस्टे एक एफबीआई संदिग्ध था। उसका नाम ही जोडिएक के सीक्रेट मैसेज को क्रैक करने की कुंजी है। वह हत्याओं के नजदीक ही रहता था, 10 साइज के सैन्य जूते पहनता था, जिसके निशान 3 अपराध स्थलों पर पाए गए थे। पोस्टे के बारे में हम ऐसा कुछ भी नहीं जानते हैं, जो उसे एक संदिग्ध के रूप में समाप्त करता हो। गैरी फांसिस पोस्टे को 2016 में अपनी पत्नी को सीढ़ियों से नीचे धकेलने के आरोप में अरेस्ट किया गया था। लेकिन इसकी मेंटल हेल्थ ठीक नहीं होने के कारण उस पर केस नहीं चल सका। उनके साथी वायुसैनिकों ने दावा किया कि 1959 में एक दर्दनाक कार एक्सीडेंट में उसके सिर में गंभीर चोट लगी, जिसके बाद वह बिल्कुल अलग ही इंसान बन गया था। जोडिएक किलर ने 1960 से 1970 के दशक में अमेरिका में जमकर तबाही मचाई थी। ऐसा दावा किया जाता है कि उसने 37 मर्डर किए थे। वह हत्या करने से पहले अमेरिकी मीडिया और पुलिस को एक पत्र भेजता था, जिसमें हत्या कहां होगी और कैसे होगी इन सबका जिक्र होता था। इसके जरिए वह लोगों के बीच आतंक फैलाना चाहता था। वह चाहता था कि अमेरिकी मीडिया में उसकी चर्चा हो और लोग उसकी बात करें। हत्यारा इतना शातिर था कि पुलिस उसे आजतक पकड़ नहीं पाई।

अजब-गजब | यहां दिन में अत्यधिक गर्मी और रात में जमा देने वाली पड़ती है ठंड

दुनिया का वो गांव, जहां कभी नहीं हुई बारिश

दुनिया में बहुत सी ऐसी जगहें हैं, जहां पूरे साल बरसात होती रहती है। मेघालय के मासिनराम गांव को ही ले लीजिए, जहां दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश होती है। मानसून की दस्तक के साथ देश के कई इलाके बाढ़ में डूब जाते हैं। सूखी पड़ी सभी जगहें बारिश के बाद फिर से जीवंत होती नजर आती हैं।

पानी जमीन से वाष्पित हो जाता है और पृथ्वी के वायुमंडल में ठंडा होकर बादलों का निर्माण करता है। जब ये बादल काफी भारी हो जाते हैं तो हवा से ठंडे होने पर बारिश के रूप में धरती पर गिरते हैं। विश्व के सभी क्षेत्रों में कम या ज्यादा वर्षा होती है, लेकिन क्या आप यकीन करेंगे कि दुनिया में एक जगह ऐसी भी है जहां कभी बारिश नहीं होती?

आप सोच सकते हैं कि यह कैसे हो सकता है? हर जगह कम से कम हल्की बारिश तो होती होगी। लेकिन यह 100 फीसदी बिल्कुल सच है। दुनिया में एक ऐसा गांव है जहां बारिश नहीं होती। ग्रामीण कई वर्षों से बारिश के बिना परेशानी झेल रहे हैं। अब हम आपको उस गांव के बारे में बताने जा रहे हैं। अल-हुतैब नाम का यह गांव यमन देश की राजधानी सना में स्थित है। सना के पश्चिम में मनख के निदेशालय के हरज क्षेत्र में बसा यह गांव जमीनी स्तर से लगभग 3200 मीटर की ऊंचाई पर एक लाल बलुआ पत्थर की पहाड़ी की चोटी पर है। अन्य स्थानों की तुलना में ऊंचा होने के बावजूद भी इस स्थान पर सूखे की स्थिति देखी जाती है।

कहते हैं कि यहां कभी पानी की एक बूंद भी नहीं बरसती है। बावजूद इसके यह इतना खूबसूरत है कि सैलानी यहां आते हैं। इस गांव में पहाड़ी एरिया में भी बहुत सुंदर घरों का निर्माण किया गया है, जिन्हें देख हर कोई हैरान रह जाता है। यहां दिन में अत्यधिक गर्मी और रात में गांव में जमा देने वाली ठंड पड़ती है। सुबह सूरज उगते ही मौसम फिर से गर्म हो जाता है। बारिश यहां क्यों नहीं होती, इसकी वजह बेहद दिलचस्प है। यहां बारिश न होने के पीछे की वजह इस गांव का ज्यादा ऊंचाई पर होना है। यह गांव 3200 मीटर की ऊंचाई पर है। जबकि बादल 2000 मीटर की ऊंचाई पर बनते हैं। यानी बादल इस गांव से काफी नीचे बनते हैं। यही वजह है कि बारिश की खूबसूरती को यहां के लोग नहीं देख पाते। हालांकि वो यह जरूर मानते हैं कि वह स्वर्ग में रह रहे हैं।

पोस्टर नहीं भाजपा के खिलाफ है जनाक्रोश: कमलनाथ

» भोपाल में कांग्रेस ने बेरोजगारी और अत्याचार के खिलाफ बोला हल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस यात्राओं से वोटरों को साधने में जुटे है। भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा का जवाब देने के लिए कांग्रेस की सात संभाग में मंगलवार से जन आक्रोश यात्रा शुरू हो रही है। इससे पहले कांग्रेस ने भोपाल में बेरोजगार, अत्याचार और घोटाले के खिलाफ पोस्टर लगाए है। पीसीसी चीफ कमलनाथ ने यात्राओं की शुरुआत को लेकर कहा कि यह जन आक्रोश है।

भोपाल में अलग-अलग चौराहों पर पोस्टर और होर्डिंग लगाए गए है। इनमें कांग्रेस ने बेरोजगारी, 18 साल में महिलाओं के साथ दुराचार का मुद्दा उठाया है। साथ ही कांग्रेस ने लिखा कि 18 साल बेरोजगारी की मार, 18 साल बहू बेटियों से दुराचार। बस! बहुत हुआ। सीएम शिवराज से वोट नहीं माफी मांगने को कहा। वहीं, पीसीसी चीफ कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर जन आक्रोश यात्रा को लेकर लिखा कि श्री गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर कांग्रेस पार्टी आज से अपनी जन आक्रोश यात्राओं का श्री गणेश कर रही है। इन यात्राओं का उद्देश्य शिवराज सरकार के 18 साल के कुशासन से दबी कुचली जनता के दुख-दर्द को अभिव्यक्त करना है। यह जन आक्रोश है। उन्होंने लिखा कि यह मध्य प्रदेश के किसानों की आमदनी घटा देने के खिलाफ। मध्य प्रदेश की बहन बेटियों को असुरक्षित बना देने के खिलाफ। मध्य प्रदेश के नौजवानों से रोजगार छीन लेने के खिलाफ। मध्य प्रदेश की जनता पर महंगाई लाद देने के खिलाफ। मध्य प्रदेश में चल रहे 50 प्रतिशत कमीशन राज के खिलाफ। और यह जन आक्रोश शिवराज सरकार को विदा करने के लिए तत्पर है ताकि मध्य प्रदेश की जनता में नया जोश आए और यहां एक जनप्रिय ठोस सरकार बने।

भाजपा पंचायती राज धीरे-धीरे खत्म कर रही

राजधानी भोपाल के रवींद्र भवन में सोमवार को राष्ट्रीय सरपंच संघ मध्य प्रदेश द्वारा सरपंच महासम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीसीसी चीफ और पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था को कांग्रेस ने लागू किया। इसे भाजपा ने धीरे धीरे खत्म करने का काम किया। पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था कोई नई व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह भगवान राम के समय से चली आ रही है। जिसको ख़त्म करने का काम इस 18 साल की भाजपा सरकार ने किया है। पंचायती राज व्यवस्था कांग्रेस के द्वारा ही लागू की गई थी जिसको इस सरकार के द्वारा धीरे-धीरे खत्म करने का काम किया गया है। हम उन सभी अधिकारों और सरपंचों के सम्मान को फिर से स्थापित करने का काम करेंगे। यह बातें मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने राजधानी के रवीन्द्र भवन राष्ट्रीय सरपंच संघ मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित सरपंच महासम्मेलन को संबोधित करते हुये कहीं। कमलनाथ ने कहा कि कांग्रेस सरकार आने पर हम फिर से मध्य प्रदेश में यह व्यवस्था पूरी तरह से लागू करेंगे। बात चाहे मनरेगा की हो, सरपंचों के वेतन की हो, मनरेगा में जो पावर थी उसे दोबारा लागू करेंगे और सरपंचों के वेतन को दोबारा शुरू किया जाएगा।

भाजपा का एजेंडा पूरा करने को 137 योजनाएं बंद की गईं: दिग्विजय सिंह

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले आरोप-प्रत्यारोप तेज होते जा रहे है। इसी कड़ी में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने वित्त विभाग के अधिकारियों को सचेत रहने की सलाह देते हुए चेतावनी दी है। दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा का एजेंडा पूरा करने के लिए आंकड़ों में बाजीगरी की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर जांच कराएंगे और गड़बड़ करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने वित्त विभाग पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि 137 योजनाओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। वहीं अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं में भी बजट को अघोषित तौर पर रोककर भाजपा के चुनावी एजेंडे में सरकार का पैसा डायवर्ट किया जा रहा है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार के वित्त विभाग के अधिकारियों को प्रदेश के आर्थिक हालात को देखते हुए सचेत रहने की आवश्यकता है। भाजपा के चुनावी एजेंडा को पूरा करने के लिए वित्त विभाग के आला अधिकारी आंकड़ों की बाजीगरी कर प्रदेश की पहले से डगमगाई वित्तीय हालत को और हानि पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण योजनाओं में भी बजट को अघोषित तौर पर रोककर भाजपा के चुनावी एजेंडे में सरकार का पैसा डायवर्ट किया जा रहा है। इस तरह वित्त विभाग के आला अधिकारी कई महत्वपूर्ण खर्चे को वर्तमान के लिए डालकर भविष्य के लिए बड़ी देनदारी खड़ी कर रहे है। सिंह ने कहा कि मुझे सूचना मिली है कि इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निचले अधिकारियों पर मनमाफिक नोटशीट लिखने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। कई विभागों की कई निधियां जो वित्त विभाग के पास संधारित है, उसमें से अघोषित तौर पर वित्त विभाग द्वारा सरकार के चुनावी एजेंडे हेतु पैसा खर्च कर दिया गया है। जिसके कारण प्रदेश का वास्तविक ऋण वित्त विभाग द्वारा दिखाए गए आंकड़े से कहीं ज्यादा है।

आदित्य ठाकरे से डरे शिंदे और अजित पवार: शिवसेना यूबीटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में बाघ शावकों के नामकरण के लिए आयोजित कार्यक्रम के बाद तब राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। इस कार्यक्रम में नामकरण के लिए निकाली गई एक पर्ची वापस ले ली गई फिर दूसरी पर्ची निकाली गई। बताया जा रहा है कि जो पर्ची वापस ली गई, उसमें आदित्य नाम लिखा था इसलिए दूसरी पर्ची निकाली गई। इस पर शिवसेना (यूबीटी) ने निशाना साधते हुए कहा कि शिंदे सरकार आदित्य ठाकरे के नाम से डरी हुई है।

विपक्षी नेताओं ने इस नाम को आदित्य ठाकरे से जोड़ा है जो महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली महा विकास आघाड़ी सरकार में मंत्री थे। छत्रपति संभाजीनगर में शावकों के नामकरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और राज्य के वन मंत्री मुनगंटीवार को दो नर और एक मादा शावक के नामकरण करना था।

विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे और शिवसेना (यूबीटी) ने कहा, चाहे यह दुनिया (आदित्य ठाकरे का जिक्र करते हुए) हो या आसमान (सूर्य को भी आदित्य कहते हैं), कोई भी आदित्य को नहीं रोक सकता। यह सरकार उनके नाम से भी डरी हुई है।

12कोई आदित्य को नहीं

अधिवक्ता हैदर ने मांगी स्कूली छात्र पिटाई की जांच की प्रगति रिपोर्ट

» मुजफ्फरनगर में बच्चों द्वारा बच्चे की पिटाई का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुजफ्फरनगर में गत दिनों स्कूली प्रधानाचार्या द्वारा एक बच्चे को दूसरे बच्चों द्वारा पिटवाने के मामले पर हुई जांच की प्रगति की रिपोर्ट की मांग अधिवक्ता मोहम्मद हैदर परास्नातक (स्वर्ण पदक) परास्नातक प्रवान ए-114 प्रथम मल, सैन्ट्रल बार एसोसियेशन, जिला एवं सत्र न्यायालय लखनऊ ने पुलिस विभाग से मांगी।

उन्होंने इससे संबंधी एक शिकायती प्रार्थना पत्र भेजा है। शिकायत कर्ता मो. हैदर ने बताया कि एक अवयस्क बालक के साथ स्कूल परिसर में हुई गंभीर अपराधिक घटना के दृष्टिगत नेहा पब्लिक स्कूली की शिक्षिका तृप्ता त्यागी के विरूद्ध किशोर न्याय (बालको की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 75 एवं 83 (2) एवं भादवि की धारा 114 115.295,299 323,504,500 के अन्तर्गत मुकदमा कर कठोर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इस घटना की जाँच डॉ. रवि शंकर उपधीक्षक क्षेत्राधिकारी खतौली जनपद मुजफ्फरनगर कर रहे हैं। उपरोक्त सन्दर्मित प्रकरण की जाँच के मध्य सम्बन्धित के अंकित किये गये बयान थानाध्यक्ष मंसूरपुर ने दर्ज किये थे। उनके अनुसार अभिलेखो के अवलोकन से सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो 24.08 2023 का नेहा पब्लिक स्कूल ग्राम सुब्बापुर थाना मसूरपुर मुजफ्फरनगर का है। जाँच आख्या में बताया कि परिवार से मंसूरपुर पुलिस द्वारा सम्पर्क करने पीड़ित छात्र पिता द्वारा थाना मंसूरपुर जनपद मुजफ्फरनगर पर एक तहरीर दी गयी। जिस सं 62/2023 भादवि बनाम श्रीमती तृप्ता त्यागी अध्यापिका निवासी खुब्बापुर थाना मंसूरपुर मुजफ्फरनगर विरूद्ध पंजीकृत होकर जाँच उनि सोमप्रकाश ने की। भादवि धारा किशोर (बच्चो के और संरक्षण) अधिनियम 2015 की वृद्धि कर उक्त एनसीआर को भादवि 75 किशोर न्याय (बच्चो के देखरेख और संरक्षण) उसके के समक्ष समिति मुजफ्फरनगर द्वारा काउसलिंग करायी गयी। जांच के आधार पर कार्यवाही की जा रही है।

क्षेत्राधिकारी ने पत्र से दी जानकारी

अश्विन की टीम में वापसी, रोहित-कोहली को आराम

» ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एशिया कप 2023 का खिताब जीतने के बाद अब टीम इंडिया वनडे वर्ल्ड 2023 के आगाज से पहले ऑस्ट्रेलिया से 3 मैचों की वनडे सीरीज घरेलू मैदान पर खेलेगी। इस सीरीज के लिए 18 सितंबर को जब टीम इंडिया का एलान हुआ तो कई सारे चौंकाने वाले फैसले देखने को मिले, इसमें रविचंद्रन अश्विन का टीम में शामिल किया जाना। वहीं रोहित और कोहली के अलावा हार्दिक पांड्या को पहले 2 मैचों के लिए आराम दिए जाने का फैसला शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में कुलदीप यादव को भी पहले 2 वनडे मैचों में शामिल नहीं गया। इस वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में टीम इंडिया अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान पर खेलने उतरेगी। अजीत अगरकर ने आखिरी वनडे के लिए टीम को लेकर कहा कि सभी खिलाड़ी इस मैच के लिए उपलब्ध हैं और हमारी जो वर्ल्ड कप की टीम वह खेलते हुए दिखेगी। हमें इस सीरीज में मौका मिला कि हम उन खिलाड़ियों को आजमा सकें जिनको अभी तक बाहर बैठे हुए थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए पहले 2 वनडे मैचों की टीम:केएल राहुल (कप्तान), रवींद्र जडेजा (उप-कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, वॉशिंगटन सुंदर, रवि अश्विन, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा। आखिरी वनडे मैच के लिए भारतीय टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या (उप-कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल (फिटनेस के आधार पर), वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, रवि अश्विन, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज।

खिलाड़ियों को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से आराम जरूरी : अगरकर

टीम इंडिया के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने वर्ल्ड कप से पहले विराट कोहली और रोहित शर्मा को आराम दिए जाने के फैसले पर पूछे गए सवाल का जवाब भी दिया। अगरकर ने कहा कि रोहित और कोहली हर समय हमारे साथ हैं और हार्दिक भी हमारे लिए काफी अहम खिलाड़ी हैं, हमें इनको बेहतर तरीके से संभालना होगा। इस पर अगरकर ने कहा कि कुलदीप ने एशिया कप में काफी शानदार प्रदर्शन किया और वह इस समय काफी अच्छे फॉर्म में हैं, इससे हमें दूसरे खिलाड़ियों को आजमाने का भी मौका मिला है, इसको हम दूसरे तरीके से भी देख सकते हैं कि हम बड़े टूर्नामेंट से पहले प्लेयर्स को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से आराम देना चाहते हैं।

फिर एक बार यूपी में कानून-व्यवस्था तार-तार

शाहजहांपुर में घर में घुसकर प्रोफेसर की हत्या

» बदमाशों ने परिवार के नौ लोगों को किया घायल
» लोगों में आक्रोश, किया हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

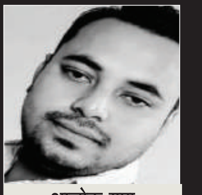
आलोक गुप्ता

शाहजहांपुर। यूपी की पुलिस एक बार फिर नाकाम हो गई। योगी सरकार की कानून व्यवस्था भी निशाने पर आ गई है। अबकि बार दिल दहलाने वाली घटना उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर के कस्बा मीरानपुर कटरा में घटी है। एक सनसनीखेज वारदात में कस्बे के मोहल्ला बाजार में सोमवार देर रात बदमाशों ने प्रोफेसर के घर पर धावा बोल दिया। लूटपाट में नाकाम होने पर बदमाशों ने प्रोफेसर आलोक गुप्ता (35) की बेरहमी से हत्या कर दी, जबकि उनके परिवार के नौ लोगों को घायल कर दिया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। मंगलवार तड़के इस वारदात की जानकारी हुई तो पूरे कस्बे में सनसनी फैल गई। व्यापारियों व स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। घटना के विरोध में बाजार बंद कर दिया गया है। आईजी ने मौका मुआयना किया है। बताया गया है कि चार बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। एक बदमाश को लोगों ने दबोच लिया है। तीन फरार हो गए है। पुलिस फरार बदमाशों की तलाश में जुटी है।

जानकारी के मुताबिक आलोक कुमार गुप्ता शाहजहांपुर के एक कॉलेज में प्रोफेसर थे। उनकी मुख्य बाजार में रेडीमेड की दुकान भी है। रात करीब तीन बजे चार बदमाश उनके घर में घुस गए। आहट होने पर आलोक जाग गए और वह बदमाशों से भिड़ गए। इस बीच शोर शराबा होने पर पड़ोस के मकान में रहने वाले उनके परिवार के अन्य सदस्य भी आ गए।

प्रोफेसर के घर के बाहर जुटी भीड़

खुद को घिरता देखकर बदमाशों ने आलोक गुप्ता पर चाकू से कई वार कर दिए, जिससे वह गंभीर घायल हो गए। इससे परिवार में चीख-पुकार मच गई। पड़ोसी लोग जाग गए। पड़ोसियों की मदद से परिजनों ने एक बदमाश को पकड़ लिया। तीन बदमाश फरार हो गए। घायल आलोक ने बरेली ले जाते समय दम तोड़ दिया। बदमाशों ने आलोक के पिता सुधीर कुमार गुप्ता, पत्नी खुशबू गुप्ता, पुत्र-पुत्री, भाई प्रशांत गुप्ता, उसकी पत्नी रूचि गुप्ता और पुत्री को भी चाकू मारकर घायल कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन कर रही है।

रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल में लगी आग, अफरा-तफरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» शार्ट-सर्किट होने से हुआ हादसा, परिसर में भरा धुआं

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के राजाजीपुरम के ए ब्लॉक स्थित रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय में मंगलवार को दोपहर 11 बजे एसी में शार्ट सर्किट होने से आग लग गई। जिससे अस्पताल में अफरातफरी मच गई। दमकल के पहुंचने पर आग पर काबू पाया जा सका।

अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड कमरा नम्बर 3 में डॉ केपी सिंह ड्यूटी पर थे। कमरे में एसी चल रहा था। अचानक एसी से बाहर की तरफ धुआं और आग की लपटें निकलने लगीं और अस्पताल परिसर में धुआं भरने लगा। आग की खबर फैलते ही अस्पताल में हड़कंप मच गया। कर्मचारियों ने अग्निशमन उपकरणों से आग बुझाना शुरू कर दिया और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। थोड़ी देर बाद दमकल के पहुंचते ही आग पर काबू पा लिया गया। कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।

14 दिन की न्यायिक हिरासत में मामन खान

» कोर्ट ने नूंह हिंसा मामले में फिर बढ़ाई रिमांड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नूंह। 31 जुलाई को नूंह के बड़कली चौक पर हुई हिंसा में संलिप्त रहने के आरोप में कांग्रेस विधायक मामन खान की न्यायिक हिरासत एक बार फिर बढ़ाई गई है। ताजा मामले में नूंह की सीजेएम कोर्ट ने आज मंगलवार को मामन खान को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

उल्लेखनीय है कि नगीना थाने में दर्ज हुई छह एफआइआर में नामजद आरोपितों से मामन की हिंसा पूर्व बातचीत तथा वाट्सएप पर मैसेज भेजे गए हैं। चार में मामन को आरोपित बनाकर एसआइटी दो बार दो-दो दिन की रिमांड ले चुकी है।

आज रिमांड अवधि खत्म होने पर दोपहर को आरोपित विधायक को अदालत में पेश किया गया। इससे पहले मामन से हुई पूछताछ में सामने आया कि विधायक की

आइटी सेल भी सक्रिय रही, पुलिस आज उस लैपटाप को भी बरामद करेगी, जिसे आइटीसेल देखने वाले मामन के दो कर्मचारी प्रयोग करते हैं। जिले में आज भी इंटरनेट सेवा रात 12 बजे तक बंद रहेगी। आरोपित विधायक की पेशी को देखते हुए शहर में सुबह से ही सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी।

पांच युवकों की रिहाई की मांग पर बंद रहा मणिपुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे और मंगलवार सुबह सड़कों पर बहुत कम वाहन चले। बंद के मद्देनजर मंगलवार और बुधवार को होने वाली माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, मणिपुर की 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के सभी विषयों की पूरक परीक्षाएं रद्द कर दी गई। इम्फाल घाटी के जिलों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है।

मैतेई महिलाओं के एक समूह मीरा पैबी और पांच स्थानीय क्लबों ने आग्नेयास्त्र ले जाने और छद्म वर्दी पहनने के आरोप में गिरफ्तार किए गए पांच युवाओं की रिहाई की मांग करते हुए आधी रात से 48 घंटे के बंद का आह्वान किया। बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे और मंगलवार सुबह सड़कों पर बहुत कम वाहन चले। बंद के मद्देनजर मंगलवार और बुधवार को होने वाली माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, मणिपुर की 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के सभी विषयों की पूरक परीक्षाएं रद्द कर दी गईं उन्हें बाद की तारीख में पुनर्निर्धारित किया जाएगा। मीरा पैबिस ने युवाओं की रिहाई की मांग करते हुए इंफाल पूर्वी जिले के खुरई और कोंगबा, इंफाल पश्चिम जिले के काकवा, बिष्णुपुर जिले के नंबोल और थौबल जिले के कुछ हिस्सों में कई महत्वपूर्ण सड़कों को अवरुद्ध कर दिया।

तालाब में डूबने से चार बच्चियों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। गिरिडीह जिले में मंगलवार सुबह बड़ा और दुखद हादसा हो गया। कर्मा पूजा को लेकर स्नान करने पहुंची पांच बच्चियां तालाब में डूब गई। जिनमें से चार की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक बच्ची गंभीर घायल है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जहां घायल बच्ची का इलाज किया जा रहा है, तो वहीं जैसे घटना की जानकारी स्थानीय लोगों को लगी गांव कोहराम मच गया। इस घटना से बच्चियों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। बताया जाता है कि मंगलवार को करमा पूजा को लेकर जावा बालू उठाव करने व स्नान करने के हंडाडीह की बच्चियां सोना महतो तालाब आयी थी, यहां पर सभी स्नान करने लगी। इसी दौरान पांच बच्चियां गहरे पानी में चली गई, बच्चियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोगों ने बच्चियों को पानी से बाहर निकाला।

अनंतनाग एनकाउंटर: सेना की बड़ी कार्रवाई, लश्कर आतंकी को किया ढेर

» बलिदानी प्रदीप सिंह को दी गई अंतिम विदाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रनगर। अनंतनाग एनकाउंटर में सेना को बड़ी कामयाबी मिली है। मुठभेड़ में सेना ने लश्कर आतंकी को मार गिराया है। सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी उजैर खान को ढेर कर दिया है। इसबीच अनंतनाग मुठभेड़ में बलिदान हुए प्रदीप सिंह की अंतिम विदाई के मौके पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

उत्तरी सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी व सेना के अन्य अधिकारियों ने भी प्रदीप सिंह की वीरता को सलाम करते हुए उन्हें

पुष्पांजलि अर्पित की। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में बीते बुधवार से जारी मुठभेड़ आज सातवें दिन में प्रवेश कर गई है। अनंतनाग के कोकरनाग के गडूल के घने जंगल और पहाड़ी इलाके में ऑपरेशन मंगलवार को भी जारी है। इससे पहले सोमवार को मुठभेड़ स्थल से दो शव बरामद हुए थे, जिनमें एक शव लापता जवान प्रदीप सिंह का है, जो आतंकियों से लोहा लेते हुए वीरगति को प्राप्त हो गए थे। मंगलवार को बलिदानी प्रदीप सिंह की अंतिम विदाई का आयोजन किया गया। इस दौरान उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने प्रदीप सिंह को श्रद्धांजलि दी। वहीं, उत्तरी सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी व सेना के अन्य अधिकारियों ने भी प्रदीप सिंह की वीरता को सलाम करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उत्तरी सेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय सेना बलिदानी प्रदीप शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती खड़ी है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 । Email: daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in ।
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।